TDC SYLLUBUS (NEP-2020)
HINDI
First Semester
DSM-101
Credit - 3

हिन्दी साहित्य का इतिहास
HINDI SAHITYA KA ITIHAS

उद्देश्य : इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य स्नातक के विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के इतिहास से समुचित रूप से परिचित करवाना है। किसी भाषा के साहित्य के इतिहास का अध्ययन उस भाषा में खुद को अभिव्यक्त करने वाले समाज के ऐतिहासिक एंव सांस्कृतिक विकास यात्रा को देखने समझने का एक उपक्रम है।

उपलब्धि : इस पाठ्य क्रम के अध्ययन के बाद विद्यार्थी साहित्य के विकास क्रम एवं उन्हें निर्मित करने वाले तत्वों को विस्तृत रूप से जान पाएंगे एवं इसके आलोक में वे विभिन्न प्रकार की साहित्यक कृतियों का अध्ययन और मूल्यांकन कर पाएंगे।

इकाई एक : कालविभाजन, नामकरण एवं आदिकाल

1.1– हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण।
1.2– आदिकाल की परिस्थितियाँ ।
1.3– आदिकालीन प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय।
1.4– आदिकालीन साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई दो : भक्तिकाल एवं रीतिकाल

2.1– भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि।
2.2– प्रमुख निर्गुण एवं सूफी कवियों का सामान्य परिचय। संत काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ तथा सूफी प्रेमकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।
2.3– प्रमुख सगुण कवियों का सामान्य परिचय तथा सगुण भक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ।
2.4– रीतिकाल की परिस्थितियाँ। रीतिकाल के प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय। रीतिबद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

इकाई तीन : भारतेन्दु युग,द्विवेदी युग एवं छायावाद

3.1– आधुनिक काल के उदय कीं पृष्ठभूमि।
3.2– भारतेन्दु और उनका युग। भारतेन्दु युगीन साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ।
3.3– महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग। द्विवेदी युगीन काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

3.4– छायावाद–युग। प्रमुख छायावादी कवियों का सामान्य परिचय। छायावादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ। राष्ट्रीय–सांस्कृतिक काव्यधारा का **सामान्य** परिचय।

इकाई चार : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं साठोत्तरी कविता

4.1– प्रगतिवादी कविता, प्रयोगवादी कविता,नई कविता एवं साठोत्तरी कविता और उसके प्रमुख कवियों का सामान्य परिचय ।

4.2– प्रगतिवादी कविता, प्रयोगवादी कविता,नई कविता एवं साठोत्तरी कविता की प्रवृत्तियाँ।

इकाई पाँच : हिंदी गद्य की प्रमुख विधाएँ

5.1– हिंदी कहानी के विकास का सामान्य परिचय।

5.2– हिंदी उपन्यास के विकास का सामान्य परिचय।

5.3– हिंदी नाटकों के विकास का सामान्य परिचय।

5.4– हिंदी निबंधों के विकास का सामान्य परिचय।

5.5– हिंदी आलोचना के विकास का सामान्य परिचय।

निर्देश :

1. इस प्रश्नपत्र का पाठ्यक्रम कुल पाँच इकाइयों में विभक्त है और इसके 03 क्रेडिट हैं।
2. यह पाठ्यक्रम कुल 100 अंकों का है। आंतरिक मूल्यांकन (CCA) के लिए 30 अंक तथा सेमेस्टर समाप्ति पर होने वाली मुख्य परीक्षा (ESE) के लिए 70 अंक निर्धारित हैं।
3. आंतरिक मूल्यांकन में न्यूनतम उत्तीर्णांक 12 अंक एवं मुख्य परीक्षा में न्यूनतम उत्तीर्णांक 28 अंक है। इस प्रकार संपूर्ण पाठ्यक्रम में न्यूनतम उत्तीर्णांक 40 अंक है। मुख्य परीक्षा की निर्धारित अवधि तीन घंटा है।
4. मुख्य परीक्षा के अंतर्गत प्रत्येक इकाई से दो-दो निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये जायेंगे एवं प्रत्येक इकाई से दो-दो लघुउत्तरीय प्रश्न दिए जायेंगे।
5. परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक निबंधात्मक प्रश्न अथवा दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा तथा एक-एक लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर लिखना होगा। इस प्रकार उसे कुल दस प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न के लिए 10 अंक (5 X 10 =50) निर्धारित हैं तथा प्रत्येक लघु उत्तरीय प्रश्न के लिए 4 अंक (5 X 4 = 20) निर्धारित हैं।

संदर्भ ग्रंथ : DSM-101 : हिंदी साहित्य का इतिहास

1. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
2. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. नाथ संप्रदाय : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
4. रासो साहित्य विमर्श : माता प्रसाद गुप्त (सं0), साहित्य भवन, इलाहाबाद

5. भक्ति आंदोलन इतिहास और संस्कृति : डॉ0 कुँवर पाल सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. भक्तिकाव्य की भूमिका : प्रेमशंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
7. रीति काव्य के विविध आयामः डॉ0 सुधीन्द्र कुमार, स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली।
8. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
9. हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँः डॉ0 नामवर सिंह, लोकभारतीप्रकाशन, इलाहाबाद।
10. छायावाद : डॉ0 नामवर सिंह , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. नई कविता : डॉ0 देवराज, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
12. नयी कविता और अस्तित्ववाद : डॉ0 रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, न0 दिल्ली।
13 साठोत्तरी कविता में जनवादी चेतना : नरेन्द्र सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ल
14. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा , काशी।
15. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ0नगेन्द(सं.), मयूर पेपर बैक्स, ए–95,सैक्टर–5,नौएडा –1
16. हिंदी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
17. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
18. हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
19. हिंदी रीति साहित्य : डॉ0 भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
20. रीतिकालीन स्वच्छन्दकाव्य धारा : डॉ0 चन्द्र शेखर, राजपाल एण्ड सन्ज , कश्मीरी गेट, दिल्ली।